

प्रेषक,

आनन्द बद्धन
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक, 06 जनवरी, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनेत्तर के अधिष्ठान मदों के अन्तर्गत पुर्णविनियोग के माध्यम से स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0 4327/मुअवि/बजट/बी-1 (पुर्णविनियोग), दिनांक 11 दिसम्बर, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 822/सा-II-2015-03(09)/2015, दिनांक 13 अप्रैल, 2015 द्वारा अधिष्ठान के आयोजनेत्तर पक्ष के वचनबद्ध एंव अवचनबद्ध मदों की प्राविधानित कुल धनराशि रु0 30261.50 लाख वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01.4.2015 में दी गयी व्यवस्थानुसार आपके निर्वतन पर रखी गयी है, जिसके अन्तर्गत 04- कार्यकारी मद (अधिष्ठान) के 03-महंगाई भत्ता मद में प्राविधानित बजट रु0 13216.00 लाख, की धनराशि भी सम्मिलित है, में से आपके द्वारा बताई गई बचत को दृष्टिगत रखते हुए वित्तीय वर्ष में आयोजनेत्तर पक्ष की 04- कार्यकारी (अधिष्ठान) के 03-महंगाई भत्ता मद में होने वाली बचत की धनराशि रु0 171.35 लाख (रु0 एक करोड़ इकहत्तर लाख पैंतीस हजार मात्र) को संलग्न विवरणानुसार पुर्णविनियोग करते हुए आयोजनेत्तर पक्ष के 03 निदेशन की संगत मदों में निम्न शर्तों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) आहरण एवं व्यय नियमानुसार किश्तों में वास्तविक व्यय के अनुसार आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा।
- (ii) उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 आदि सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- (iii) स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- (iv) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।
- (v) धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं मितव्ययता को ध्यान में रखकर किश्तों में किया जाय।
- (vi) वित्त विभाग के शासनादेश सं0-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01.04.2015 एंव शासनादेश संख्या 1336/XXVII(1)/2015, दिनांक 17 नवम्बर, 2015 में दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2 इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत संलग्नक-1 में वर्णित शीर्षकों/उपशीर्षकों के अन्तर्गत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

...2...

3 यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या सं0-967 / XXVII(2) / 2015, दि0-03 फरवरी, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोक्त।

भवदीय,

(आनन्द बद्धन)
सचिव।

संख्या-५१२ (1) / ।।-2015-03(09) / 2015तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

- 1- महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1 / 105, इन्द्रानगर, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, सिंचाई मंत्री जी को माठ मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 4- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी / कुमायू मण्डल नैनीताल।
- 5- समस्त जिलाधिकारी / कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-2), उत्तराखण्ड शासन।
- 8- बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
- 10-गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)
अनु सचिव